(b) whether the places from where the gold is smuggled have been traced out and which are those places?]

**वित्त उपमंत्री (श्री बी० आर० भगत):** (क) १९६१ के मई, जून और जुलाई महीनों में चोरी-छिपे लाया गया लगभग २६,८७,००० रुपये की कीमत का २३७ किलोग्राम सोना पकड़ा गया ।

(ख) सीमाशुल्क-अधिकारियों (कस्टम्स अथारिटीज़) द्वारा की गयी जांच-पड़ताल से पता चलता है कि सोना संभवत: हांगकांग, सिंगापुर, ब्रुनेई, मलय, फारस की खाड़ी के बन्दरगाहों, अदन, बेरुत, इटली, जर्मनी, स्विट्ज़रलैण्ड, पाकिस्तान, अफ़गानिस्तान, गोआ, दमन और दीव से चोरी-छिपे लाया गया था ।

†[THE DEPUTY MINISTER OF FINANCE (SHRI B. R. BHAGAT): (a) About 237 Kgs of gold valued at Rs. 26,87,000 approximately was seized as smuggled during May, June and July, 1961.

(b) The investigations of the Customs authorities indicate that the gold was probably smuggled from Hongkong, Singapore, Brunei, Malaya, Persian Gulf ports, Aden, Beirut, Italy, Germany, Switzerland, Pakistan, Afghanistan, Goa, Daman and Diu.]

## उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर क्षेत्र में मिट्टी के तेल की खोजबीन

*११६. **श्रीमती शान्ति देवी :** क्या **इस्पात, खान और इंधन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का इरादा उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर क्षेत्र में मिट्टी के तेल के सम्बन्ध में खोजबीन कराने का है ;

(ख) यदि हां, तो इस कार्य में अब तक क्या प्रगति हो चुकी है ; और

(ग) क्या इस सम्बन्ध मे किन्हीं स्थानों का निरीक्षण किया जा चुका है और यदि हां, तो वह कौन कौन से स्थान हैं ?

†[PROSPECTING OF OIL IN SHAHAJAHANPUR AREA OF U. P.

*116. SHRIMATI SHANTI DEVI: Will the Minister of STEEL, MINES AND FUEL be pleased to state:

(a) whether Government propose to undertake the prospecting of oil in the Shahjahanpur area in Uttar Pradesh;

(b) if so, what progress has so far been made in this work; and

(c) whether any places have been inspected in this connection, and if so, which are those places?]

**खान तथा तेल मंत्री (श्री के० डी० मालवीय)** : (क) से (ग) उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर क्षेत्र में तेल की खोज का कार्य प्रगति पर है । तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा गंगा वादी में अब तक किये गये भूकम्पीय सर्वेक्षण कार्य ने कटरागाड़ा क्षेत्र में, जो कि शाहजहांपुर से बरेली की तरफ लगभग १४ मील पर स्थित है, साधारण परिमाण की संरचना की विद्यमानता के कुछ चिह्न प्रकट किये हैं । इस संरचना के चिह्नों का समधिक भूकम्पीय-कार्य द्वारा अभी निश्चय किया जाना है । यह मालूम नहीं है कि क्या इस क्षेत्र की गहराई में तेल से युक्त अवसाद (sediments) विद्यमान हैं या नहीं । राम गंगा नदी के दूसरी ओर उसी प्रदेश में बदाऊं दाता-गंजधमोरा क्षेत्र में कटरागाड़ा संरचना से मिलती जुलती संरचना के कुछ अन्य चिह्न पाये गये हैं । इस क्षेत्र में पाये जाने वाले अवसाद (sediments) और संरचना की आकृति के बारे में सूचना प्राप्त करने के लिए बदाऊं के पास उझानी संरचना पर एक संचरनात्मक कुआं व्यधित किया गया है और एक दूसरे कुएं में व्यधन प्रगति पर है ।

†[ ] English translation.

इस संरचना में गहरे कुओं के व्यधन की तैयारियां भी प्रगति पर हैं।

†[THE MINISTER OF MINES AND OIL (SHRI K. D. MALAVIYA): (a) to (c) The prospecting for oil in Shahjahanpur area in U. P. is already in progress. The seismic survey work carried out by the Oil and Natural Gas Commission so far in the Gangetic Valley has shown some indications of presence of a modest size structure in the Katragarra area located at about 14 miles from Shahjahanpur towards Bareily. The indications of the structure are yet to be confirmed by further seismic work. It is not known whether or not oil bearing sediments occur at depth in this area. Some other indications of structure appearing similar to Katragarra structure have been obtained in the Badaun-Dataganjdhamora area located in the same region on the other side of Ramganga river. To obtain information about the nature of sediments and structure occurring in this area, one structural well has been drilled on Ujhani structure near Badaun and drilling in another is in progress. Preparations for drilling deep wells on this structure are also in progress.]

**"सैनिक समाचार" में सहायक सम्पादक**

*११७. **श्री किशोरी राम :** क्या प्रतिरक्षा मंत्री २४ अप्रैल, १९६१ को राज्य सभा में तारांकित प्रश्न संख्या ४४ के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) "सैनिक समाचार" के दोनों सहायक सम्पादकों की योग्यताएं तथा अनुभव क्या हैं और संघ लोक सेवा आयोग द्वारा निर्धारित अनिवार्य अर्हताओं को ये कहां तक पूरा नहीं करते हैं ; और

(ख) "सैनिक समाचार" में नियुक्ति पाने से पूर्व ये क्या काम करते थे ?

†[ASSISTANT EDITORS IN THE SAINIK SAMACHAR

*117. SHRI KISHORI RAM: Will the Minister of DEFENCE be pleased to refer to the answer given to Starred Question No. 44 in the Rajya Sabha on the 24th April, 1961 and state:

(a) the qualifications and experience of both the Assistant Editors of 'Sainik Samachar' and how far they fall short of the essential qualifications prescribed by the Union Public Service Commission; and

(b) what were their engagements prior to their appointment in the 'Sainik Samachar'?]

**प्रतिरक्षा मंत्री (श्री वी० के० कृष्ण मेनन):** (क) तथा (ख) एक विवरण सभा के पटल पर रख दिया गया है।

**विवरण**

सैनिक समाचार के दोनों सहायक सम्पादकों की योग्यता और अनुभव इस प्रकार है :

**पहला सहायक सम्पादक**

१. बी० एस० सी० (भौतिक विज्ञान), मद्रास, बी० एस०सी० (तकनीकी), बनारस।

२. प्रेस ट्रस्ट आव इंडिया में १९५० से ५७ तक रिपोर्टर और उप-सम्पादक।

३. नवम्बर, १९५७ से फरवरी, १९६० तक पश्चिमी रेलवे के लोक सम्पर्क कार्यालय में पत्रकारिता संबंधी काम पर।

४. चित्रमय पत्रकारिता अथवा रूपक लेखन का ज्ञान है और रेखांकन का अनुभव भी।

† [ ] English translation.